फिरोजशाह तुगलक

- 33rd Lecture by

Mamta Rani
History Depart.
SNSRKS COLLEGE, SAHARSA

13-05-2020.

Scanned with CamScanner

फिरोजशाह तुगलक
(1351 - 1388) ई०

①

→ 1351 में मुहम्मद बिन तुगलक की मृत्यु के बाद उसका चचेरा भाई फिरोजशाह तुगलक दिल्ली की गद्दी पर बैठा। पर उसमें एक सफल शासक के गुणों एवं साहस दोनों का अभाव था।

→ मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल में जो प्रदेश दिल्ली सल्तनत से पृथक हो गये उन्हें पुनर्जीवित करने का भी उसने कोई प्रयास नहीं किया। उसके अकुशल, ढीले प्रशासन, ढीले प्रशासन कमजोर विदेश नीति और दोषपूर्ण सैन्य संगठन के दुष्प्रभावों के परिणाम स्वरूप सल्तनत का तेजी से पतन और विघटन हो गया।

इन सबके बावजूद यह तुगलक वंश का सबसे महत्वपूर्ण शासक था। हेनरी इलियट ने इसको दिल्ली सल्तनत का अकबर कहा है। लेकिन यह कट्टर सुल्तान के रूप में अपने को स्थापित किया।

Scanned with CamScanner

अपने भाई मुहम्मद-बिन-तुगलक की मृत्यु के बाद थट्ठा के समीप अपना राज्याभिषेक करवाया और दिल्ली पहुँचकर इसने विधिवत रूप से राज्याभिषेक संपन्न करवाया।

इसने सभी क्षेत्रों में कार्य संपन्न किया –

(a) कृषि :- इसने कृषि के क्षेत्र में सुधार किया और 24 प्रकार के कर को समाप्त करते हुए केवल चार कर रहने दिया। जैसे - जजिया, जकात, खराज, खुम्स। इसने सिंचाई व्यवस्था पर भी ध्यान दिया और नहरों का निर्माण कराया।

- दिल्ली सल्तनत में सबसे अधिक नहरों का निर्माण इसी ने कराया था।
- इसने दिल्ली के समीप 1200 फलों का बाग लगाया परिणामस्वरूप दिल्ली में फलों के मूल्य में बहुत कमी आ गई।
- इसने हक-ए-शर्ब या उश्र नामक सिंचाई कर को लागू किया।

(b) शिक्षा एवं साहित्य :-

यह शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में रुचि रखता था। इसने अपनी आत्मकथा फतूहात-ए-फिरोजशाही की रचना किया। इसके राजदरबार में रहने वाले बरनी ने तारीख-ए-फिरोजशाही एवं फतवा-ए-जहाँदारी की रचना किया। इसके आदेश पर ज्वालामुखी मंदिर से लूटे गए 1300 संस्कृत ग्रंथों का फारसी भाषा में अनुवाद अज्जाउद्दीन नामक विद्वान ने दलायते फिरोजशाही के नाम से किया।

औषधि शास्त्र पर आधारित सीरत-ए-फिरोजशाही की रचना भी इसके आदेश पर हुआ।

Scanned with CamScanner

(c) मुद्रा व्यवस्था :-

इसने व्यापारिक लेनदेनको और सरल बनाने के लिए 'अद्धा एवं बिख' नामक छोटा-छोटा सिक्का को जारी कियाथा।

(d) सार्वजनिक कार्य :-

फिरोजशाह तुगलक ने सबसे महत्वपूर्ण कार्य इसी क्रम में किया। जैसे -

- इसने दिल्ली में एक सरकारी अस्पताल का निर्माण कराया. जिसको दार-उल-सफा कहा गया है।
- इसने अनाथ मुस्लिम लड़कियों और बच्चों के लिए दीवान-ए-खैरात नामक विभाग की स्थापना कियाथा।
- यह प्रथम सुल्तान था जिसने बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए रोजगार दफ्तर की स्थापना किया।
- यह प्रथम सुल्तान था. जिसने एक अनुवाद विभाग की स्थापना किया।
- यह प्रथम सुल्तान था. जिसने सरकारी धन उपलब्ध कराकर लोगों को हज की यात्रा पर भेजा।

इन सभी पर निगरानी रखने के लिए इसने एक सार्वजनिक विभाग की स्थापना भी किया दिल्ली सल्तनत के दूर-दराज क्षेत्रों में छोटे-छोटे अस्पताल. पीने के लिए कुआँ और पढ़ने के लिए मदरसा का निर्माण कियाथा।

(e) दासप्रथा :-

यह दासों का सबसे बड़ा शौकीन था। इसके पास एक लाख 80 हजार दास थे। इसको देखभाल के लिए दीवान-ए-बन्दगान नामक विभाग को स्थापित किया।

(f) स्थापत्यकला → इसने 300 नए नगरों का निर्माण करवाया। इसमें जौनपुर, फिरोजाबाद, फतेहाबाद और हिसार आदि महत्वपूर्ण है। जौनपुर का निर्माण अपने भाई जूना खाँ की स्मृति में कराया था।

Scanned with CamScanner

इसका पसंदीदा नगर फिरोजाबाद था। इसने दिल्ली में फिरोजशाह कोटला का निर्माण भी कराया। और कुतुबमीनार का पुनर्निमाण भी कराया। इसने अशोक के दो स्तंभलेख मेरठ और टोपरा (हरियाणा) से लेकर फिरोजशाह कोटला दुर्ग में स्थापित किया।

(g) सैन्य व्यवस्था :-

इसके समय में सैन्य व्यवस्था कमजोर हुआ, क्योंकि इसने विभिन्न प्रकार का गलत निर्णय लिया जैसे -

- इसने सैनिको के पद को पुनः वंशानुगत बनाया।
- इसने नगद वेतन के बदले पुनः भूमि देने की व्यवस्था को लागू कर दिया।
- इसने अलाउद्दीन खिलजी द्वारा ली गई सभी भूमि को पुनः वापस कर दिया।

इसने भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दिया क्योंकि इसने एक सैनिक को रिश्वत देने के लिए टंका अपने पास से दिया था।

(h) धार्मिक नीति :-

यह धर्म के मामले में कट्टर था। इसने नगरकोट के ज्वालामुखी मंदिर को तोड़ दिया था। जिस प्रकार ग्यासुद्दीन तुगलक ने सिद्धीमौला नामक ब्राह्मण को जीवित जला दिया। उसी प्रकार इसने भी अपने धर्म की व्याख्या करने पर एक ब्राह्मण को जला दिया।

- यह एक मात्र सुल्तान था जिसने ब्राह्मणों से भी जजिया कर वसूल किया था।

=x=

Scanned with CamScanner